समस्या को हल करने में विशेष दिलचस्पी से जिम्मेदारी लेकर दोनों अणु बिजली घर की इकाइयों को अनुभवी वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा सुचारु रूप से चलाने में सक्रिय कदम उठाकर राजस्थान प्रान्त की जनता को इस संकटमय घड़ी में उबार कर अपने आवश्यक कर्तव्य को निभावें ।

(ii) NEED FOR INQUIRY INTO FAKE ENCOUNTERS WITH DACOITS IN U.P. RESULTING IN KILLING OF INNOCENT PERSONS.

श्री चन्द्रजीत यादव (आजमगढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में शान्ति और व्यवस्था इतनी बिगड़ गई है कि लोग अपने को पूर्णतः असुरक्षित महसूस कर रहे हैं । डाकुओं का सफाया करने के नाम पर वहां की पुलिस ने डाकुओं से फर्जी मुठभेड़ का बहाना बनाकर सैकड़ों की संख्या में गरीब और निर्दोष लोगों को पकड़ कर गोली मार दी है और यह क्रम आज भी जारी है। पुलिस लोगों को उनके घरों से या रास्ते से पकड़ कर ले जाती है और रात को किसी गांव के पास अथवा जंगल में ले जाकर उनको गोली मार देती है और इस बात का झूठा नाटक रचती है कि डाकुओं से मुंठभेड़ में डाकू मारे गए हैं । ऐसे मारे जाने वालों में बड़ा बहुमत पिछड़े-वर्गों, हरिजन और मुसलमान, दूसरे वर्गों के कुछ गरीब लोग भी हैं। इस प्रकार का झूठी मुठभेड़ का बहाना बनाकर लोग मारे गए हैं । इससे पूरे प्रदेश में आतंक छाया हुआ है और भय का वातावरण बन गया है । किसी भी व्यक्ति को यदि वह अपराधी भी है तो उस पर मुकदमा चलाए बिना, उसको बगैर अपनी सफाई का मौका दिए बिना पकड़ कर गोली मारना मानवीय अधिकारों के विपरीत है और ऐसी घटनायें केवल उसी देश और समाज में हो सकती हैं जहां कानून और व्यवस्था के लिए कोई आदर न हो और जंगली राज्य हो । दूसरी तरफ आधुनिक हथियारों से सुसज्जित डाकुओं के गिरोह उत्तर प्रदेश में लोगों को घरों में, रेल गाड़ी में, बसों में लूट रहे हैं और हत्या कर रहे हैं । किन्तु उत्तर प्रदेश का शासन इन डकैतों पर काबू पाने में पूरी तरह असमर्थ हो गया है ।

मैं केन्द्रीय सरकार से यह मांग करता हूं कि उत्तर प्रदेश में होने वाली इस प्रकार की हत्याओं की उच्चतम न्यायालय के जज से जांच कराई जाये । इसके लिए जो भी जिम्मेदार लोग हैं, उन्हें दण्ड दिया जाए और केन्द्रीय सरकार उत्तर प्रदेश की सरकार को तत्काल इस बात का आदेश दे कि वह फर्जी मुठभेड़ के नाम पर लोगों की हत्यायें बन्द करें ।

15 hrs.

(iii) SHORTAGE OF KEROSINE OIL IN GHAZIPUR DISTRICT IN UTTAR PRADESH.

श्री जैनुल बशर (गाजीपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों जब मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) का दौरा कर रहा था तो मुझे हर जगह यह शिकायतें मिलीं की मिट्टी का तेल उपलब्ध नहीं हो रहा है । ब्लैक में मिट्टी का तेल ढाई रुपये से लेकर पांच रुपये तक बिकता है जब कि उसका दाम दो रुपये से भी कम है ।

मिट्टी का तेल न मिलने के कारण विशेषकर गांव के लोगों में बड़ा क्षोभ है । मैं समझता हूँ कि मिट्टी का तेल आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध है और केन्द्रीय सरकार उत्तर प्रदेश की पूरी जरूरत को पूरा करती है, लेकिन फिर भी गाजीपुर में मिट्टी का तेल न मिलने से बड़ा आश्चर्य होता है ।